फाइलेरिया मुक्त झारखंड के लिये अभियान शुरू

चर्चा में क्यों?

10 अगस्त, 2023 को भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया द्वारा मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के वर्चुअल शुभारंभ के दौरान झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने राज्य के 9 फाइलेरिया प्रभावित ज़िलों (चतरा, हजारीबाग, लातेहार, पलामू, सरायकेला, गोड्डा, दुमका, जामताड़ा और पश्चिमी सिंहभूम) में फाइलेरिया रोग के उन्मूलन के लिये शुरू होने वाले मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए/आईडीए) कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- यह कार्यक्रम 10 अगस्त से 25 अगस्त तक चलाया जाएगा।
- राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य जिस प्रकार कालाजार के उन्मूलन के अंतिम पड़ाव पर है, उसी तरह झारखंड से फाइलेरिया का उन्मूलन भी शीघ्र होगा। फाइलेरिया मुक्त झारखंड बनाने के लिये सामुदायिक सहभागिता के साथ ही अंतर-विभागीय समन्वय बनाकर कार्य किया जा रहा है।
- अभियान में लगभग 1 करोड़ 34 लाख लाभुकों को दवा प्रशासकों द्वारा निःशुल्क फाइलेरिया रोधी दवाएँ अपने सामने ही खिलाई जाएंगी।
- राज्य के अपर मुख्य सचिव (स्वास्थ्य) अरुण कुमार सिंह ने बताया कि सभी 9 ज़िलों में से हजारीबाग और पश्चिमी सिंहभूम ज़िलों में 2 दवाएँ डीईसी और अल्बेंडाजोल एवं अन्य 7 ज़िलों में 3 दवाएँ डीईसी, अल्बेंडाजोल के साथ आईवरमेक्टिन की निर्धारित खुराक दवा प्रशासकों द्वारा बूथ एवं घर-घर जाकर अपने सामने मुफ्त खिलाई जाएगी।
- ये दवाएँ पूरी तरह सुरक्षित हैं। ये दवाएँ 2 साल से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को नहीं दी जाएंगी। ये दवाएं खाली पेट नहीं खानी हैं।
- इस कार्यक्रम की निगरानी हेतु पर्यवेक्षकों को भी लगाया गया है तथा किसी भी विषम परिस्थितियों से निपटने हेतु चिकित्सक के नेतृत्व में ज़िला एवं ब्लॉक स्तर पर रेपिड रिस्पॉन्स टीमों का भी गठन किया गया है।
- रैपिड रिस्पॉन्स टीम दवा के सेवन के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिये आवश्यक दवाओं के साथ मौके पर सक्रिय रहेगी।
- राज्य के अभियान निदेशक आलोक त्रिवेदी ने बताया कि राज्य स्तर से ज़िला स्तर तक समन्वय बनाकर, मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न करने के लिये सुनियोजित रणनीति के अनुसार कार्य किया जा रहा है, ताकि कार्यक्रम के अंतर्गत संपादित होने वाली गतिविधियाँ गुणवत्ता के साथ पूर्ण की जा सकें और कार्यक्रम के दौरान फाइलेरिया रोधी दवाइयों और मानव संसाधनों की कोई कमी न हो।
- इस कार्यक्रम की प्रतिदिन राज्य स्तर पर समीक्षा की जाएगी और कार्यक्रम के दौरान आने वाली हर समस्या का तुरंत समाधान किया जाएगा। इस बार 100 प्रतिशत लाभार्थियों द्वारा फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन सुनिश्चित किये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।
- विदित है कि फाइलेरिया मच्छर के काटने से फैलता है और यह दुनियाभर में दीर्घकालिक विकलांगता के प्रमुख कारणों में से एक है।
- किसी भी आयु वर्ग में होने वाला यह संक्रमण लिम्फैटिक सिस्टम को नुकसान पहुँचाता है और अगर इससे बचाव न किया जाए तो इससे शारीरिक अंगों में असामान्य सूजन होती है।
- फाइलेरिया के कारण चिरकालिक रोग जैसे हाइड्रोसील (अंडकोष की थैली में सूजन), लिम्फेडेमा (अंगों की सूजन) व काइलुरिया (दूधिया सफेद पेशाब) से ग्रसित लोगों को अक्सर सामाजिक बहिष्कार का बोझ सहना पड़ता है, जिससे उनकी आजीविका व काम करने की क्षमता भी प्रभावित होती है।
- ज्ञातव्य है कि राज्य में अप्रैल 2023 के आँकड़ों के अनुसार लिम्फेडेमा के 54172 मरीज एवं हाइड्रोसील के 40561 मरीज चिन्हित किये गए हैं।

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/campaign-started-for-filariasis-free-jharkhand